को जनता को मिलेगा।

वर्णनात्मक विश्लेषकों पर प्रशिक्षण उद्घाटन

पटना (आससे)। सीआईएमपी बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर में वर्णनात्मक विश्लेषकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गुरूवार को बिहार सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव, राहुल सिंह ने किया। कार्यक्रम में सीआईएमपी से लगभग 17 प्रबंधन संकाय सदस्य और देश के दूसरे हिस्सों से अन्य संस्थानों से, एक प्रतिनिधिमंडल भी इस कार्यक्रम में भाग लीया। इस क्रम में श्री राहुल सिंह ने प्रबंधन विज्ञान में संकाय सदस्यों द्वारा बिजनस, नालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि ऐसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भविष्य उन लोगों के लिए है, जो पुरुष, मशीनों और प्रणालियों को बराबर समझ के साथ संभाल सकते हैं। एक ओर मशीन लर्निंगऔर प्रौद्योगिकी के साथ मानव जीवन के एकीकरण को वैश्विक व्यवसायों द्वारा प्रेरित किया जा रहा है दूसरी ओर ऐसे व्यवसायों की मांगों को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने कि वे जन-केंद्रित हैं, एक चुनौती बन गया है। केवल ऐसे अभिसरण प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित लोग ही आने वाले समय में जीवित रह सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

इस उभरते हुए क्षेत्र में सीआईएमपी ने की शुरूआत अपने छात्रों और बिहार के औद्योगिक विकास के लिए एक बड़े स्तर पर प्रासंगिक और समयबद्ध है।

Aaj Page No-11
Dated:-18/08/2017

तीन सालों में 23 लाख से 2.7 करोड़ हो गई बिजनेस एनालिटिक्स की मांग

सीआईएमपी में आईबीएम के सहयोग से खुला बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर, प्रशिक्षण शुरू, इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा- प्रशिक्षित पेशेवरों की संख्या 1.5 मिलियन।

TRAINING WORKSHOP

पटना • डीबी स्टार

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान(सीआईएमपी) में आईबीएम के सहयोग से बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर के उद्घाटन के साथ ही इसमें बिजनेस एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव, राहुल सिंह ने किया। सीआईएमपी से लगभग 17 फैकल्टी और देश के दूसरे हिस्सों से अन्य संस्थानों से एक प्रतिनिधिमंडल भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

बिजनेस एनालिटिक्स पर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आईबीएम के विशेषज्ञों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राहुल सिंह ने प्रबंधन विज्ञान में फैकल्टी मेंबरों द्वारा बिजनेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में भविष्य उन लोगों के लिए है, जो पुरुष, मशीनों और प्रणालियों को बराबर समझ के साथ संभाल सकते हैं। एक ओर, मशीन लर्निंग और प्रौद्योगिकी के साथ मानव जीवन के एकीकरण को वैश्विक व्यवसायों द्वारा प्रेरित किया जा रहा है दूसरी ओर, ऐसे व्यवसायों की मांगों को पूरा करना एक चुनौती बन गया है। केवल ऐसे अभिसरण प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित लोग ही आने वाले समय में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस उभरते हुए क्षेत्र में सीआईएमपी की शुरुआत अपने छात्रों और बिहार के औद्योगिक विकास के लिए एक बड़े स्तर पर प्रासंगिक है। उन्होंने जोर दिया कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में नए कौशल सीखना आवश्यक है।

सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि बिहार और भारत के पूर्वी हिस्सों में यह पहली ऐसी पहल है, और सीआईएमपी इस केंद्र के माध्यम से बिहार में प्रौद्योगिकी केंद्रित मानव संसाधन के विकास की पूरी कोशिश करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का है। यह अनुमान लगाया जाता है कि पारंपरिक आईटी पेशेवरों की मांग स्थिर है या गिरावट का सामना करना पड़ रहा है, वही सभी व्यवसायों और प्रशासनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित डेटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य की मांग में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

भारत में भी बिजनेस एनालिटिक्स की मांग बढ़ी

सीआईएमपी के डीन, डॉ. रमणा आचार्युलू ने डेटा विज्ञान कौशल में स्नातक और स्नातकोत्तर पेशेवरों के बढ़ते रोजगार के अवसरों पर बात की। उन्होंने पीडब्ल्यूसी, 2017 और मैककिंसे ग्लोबल इंस्टीट्यूट, 2015 की रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया के 2015 और 2018 के बीच प्रबंधन स्नातकों में बिजनेस एनालिटिक्स की मांग करने वाली नौकरियों की संख्या 2015 में 23 लाख से बढ़कर 2017 तक 2.7 करोड़ हो गई है जबकि विश्व मेंड्स क्षेत्र में उपलब्ध प्रशिक्षित पेशेवरों की संख्या 1.5 मिलियन से कम ही है। भारत में भी, व्यवसाय प्रबंधन और इंजीनियरिंग में बिजनेस एनालिटिक्स पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है, और आज तक, विभिन्न प्रबंधकीय डोमेनों में 26 से 45 प्रतिशत नौकरियों के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होती है। सीआईएमपी ने इस उभरते हुए क्षेत्र में पेशेवरों को प्रशिक्षित करने और विकसित करने की जरूरत महसूस की है जिसमें विपणन, वित्त, मानव संसाधन, खुदरा, विनिर्माण और सामाजिक विकास एनालिटिक्स में पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

Dainik Bhaskar Page No-20
Dated:-18/08/2017

सॉफ्टवेयर और आइटी के इस्तेमाल में दक्षता जरूरी

प्रबंधन विज्ञान में बिजनेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आइटी एकीकरण में दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। ऐसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भविष्य उन लोगों के लिए है, जो इंसान, मशीनों और प्रणालियों को पूरी समझ के साथ संभाल सकते हैं। केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित ही आने वाले समय में सफल हो सकते हैं। ये बातें राज्य के व्यय एवं वित्त विभाग के सचिव राहुल सिंह ने सीआइएमपी में कहीं। वे संस्थान के बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर में आयोजित बिजनेस एनालिटिक्स के पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डाटा और डाटा साइंस में निपुण होना आवश्यक है।

डाटा विज्ञान प्रबंधन में भी भविष्य

कार्यक्रम में सीआइएमपी से लगभग 17 प्रबंधन संकाय सदस्य सहित देश के दूसरे संस्थानों का एक प्रतिनिधिमंडल भी भाग ले रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आइबीएम के विशेषज्ञ आयोजित कर रहे हैं। इस अवसर पर सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि बिहार और देश के पूर्वी हिस्सों में यह पहला आयोजन है। भविष्य डाटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किए लोगों का है।

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि

सीआइएमपी में बिजनेस एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, प्रबंधन पेशेवरों का डाटा साइंस में निपुण होना जरूरी

पारंपरिक आइटी पेशेवरों की मांग स्थिर है या उसमें गिरावट हैं, जबकि प्रशिक्षित डाटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य की मांग में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

सीआइएमपी के डीन डॉ. रमणा आचार्युलू ने डाटा विज्ञान कौशल में पेशेवरो के बढ़ते अवसरों की बात की। उन्होंने पीडब्ल्यूसी 2017 और मैककिंसे ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2015 के हवाले से कहा कि 2015 और 2018 के बीच प्रबंधन स्नातकों में विश्लेषिकी कौशल की मांग करने वाली नौकरियों की संख्या 2015 में 23 लाख से बढ़कर 2017 तक 2.7 करोड़ हो गई है। सीआइएमपी ने इस उभरते हुए क्षेत्र में पेशेवरों को प्रशिक्षित करने की जरूरत महसूस की है।

Dainik Jagran Page No-21
Dated:-18-08-2017

आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता

● पटना | कार्यालय संवाददाता

सीआईएमपी में गुरुवार को बिजनेस एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन बिहार सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव राहुल सिंह ने किया। प्रबंधन विज्ञान में संकाय सदस्यों द्वारा बिज़नेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कहा कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में नई कौशल सीखना आवश्यक है। उन्होंने प्रौद्योगिकी नेतृत्व प्रबंधन प्रशिक्षण में सबसे आगे रहने के लिए डॉ मुकुंद दास और उनकी टीम को बधाई दी।

सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने कहा

सीआईएमपी में बिजनेस एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

।विष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का है : निदेशक

कि बिहार और भारत के पूर्वी हिस्सों में यह पहली ऐसी पहल है। सीआईएमपी इस केंद्र के माध्यम से बिहार में प्रौद्योगिकी केंद्रित मानव संसाधन के विकास की पूरी कोशिश करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का है। यह अनुमान लगाया जाता है कि पारंपरिक आईटी पेशेवरों की मांग स्थिर है या गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। वही सभी व्यवसायों और प्रशासनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित डेटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य की मांग में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

सीआईएमपी के डीन, डा रमणा आचार्युलू ने डेटा विज्ञान कौशल में स्नातक और स्नातकोत्तर पेशेवरो के बढ़ते रोजगार अवसरों की बात की। उन्होंने पीडब्ल्यूसी, 2017 और मैककिंसे ग्लोबल इंस्टीट्यूट, 2015 की रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया के 2015 और 2018 के बीच प्रबंधन स्नातकों में विश्लेषिकी कौशल की मांग करने वाली नौकरियों की संख्या 2015 में 23 लाख से बढ़कर 2017 तक 2.7 करोड़ हो गई है। जबकि विश्व में इस क्षेत्र में उपलब्ध प्रशिक्षित पेशेवरों की संख्या 1.5 मिलियन से कम पंजीकृत हुए है भारत में भी, व्यवसाय प्रबंधन और इंजीनियरिंग में व्यवसाय विश्लेषिकी (बिज़नस एनालिटिक्स) पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

Hindustan Yuva Page No-02
Date_18/08/2017

आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता

प्रशिक्षण

पटना | कार्यालय संवाददाता

सीआईएमपी में गुरुवार को बिजनेस एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन बिहार सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव राहुल सिंह ने किया। प्रबंधन विज्ञान में संकाय सदस्यों द्वारा बिजनेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में नई कौशल सीखना आवश्यक है। उन्होंने प्रौद्योगिकी नेतृत्व प्रबंधन प्रशिक्षण में सबसे आगे रहने के लिए डॉ मुकुंद दास और उनकी टीम को बधाई दी।

सीआईएमपी

- डेटा एनालिटिक्स पर सेमिनार का किया गया आयोजन
- डेटा साइंस में नए कौशल सीखना आवश्यक है
- भविष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का
- प्रशिक्षित डेटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य में मांग बढ़ेगी

सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि बिहार और भारत के पूर्वी हिस्सों में यह पहली ऐसी पहल है। सीआईएमपी इस केंद्र के माध्यम से बिहार में प्रौद्योगिकी केंद्रित मानव संसाधन के विकास की पूरी कोशिश करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का है। यह अनुमान लगाया जाता है कि पारंपरिक आईटी पेशेवरों की मांग स्थिर है या गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। वही सभी व्यवसायों और प्रशासनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित डेटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य की मांग में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

सीआईएमपी के डीन, डा रमणा आचार्युलू ने डेटा विज्ञान कौशल में स्नातक और स्नातकोत्तर पेशेवरो के बढ़ते रोजगार अवसरों की बात की।

उन्होंने पीडब्ल्यूसी, 2017 और मैकिंसे ग्लोबल इंस्टीट्यूट, 2015 की रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया के 2015 और 2018 के बीच प्रबंधन स्नातकों में विश्लेषिकी कौशल की मांग करने वाली नौकरियों की संख्या 2015 में 23 लाख से बढ़कर 2017 तक 2.7 करोड़ हो गई है। जबकि विश्व में इस क्षेत्र में उपलब्ध प्रशिक्षित पेशेवरों की संख्या 1.5 मिलियन से कम पंजीकृत हुए है भारत में भी, व्यवसाय प्रबंधन और इंजीनियरिंग में व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनस एनालिटिक्स) पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

Hindustan (Patna Live) Page No-24
Date:-18/08/2017

सीआइएमपी

17 प्रबंधन संकाय सदस्य व कई प्रतिनिधिमंडल प्रशिक्षण में हुए शामिल

सॉफ्टवेयर के अलावा कई क्षेत्रों में बढ़ाना होगा कौशल

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

प्रबंधन विज्ञान में संकाय सदस्यों द्वारा बिजनेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आइटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देने की जरूरत है. यह बातें राज्य सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव राहुल सिंह ने गुरुवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में सीआइएमपी बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर में वर्णनात्मक विश्लेषकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान कहीं. इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. वी. मुकुंद दास, डीन डॉ रमणा आचार्युलू के अलावा कई और लोग उपस्थित थे. ज्ञात हो कि सीआइएमपी से लगभग 17 प्रबंधन संकाय सदस्य और देश के दूसरे हिस्सों से अन्य संस्थानों से एक प्रतिनिधिमंडल भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जानकारी देते एक्सपर्ट

देश के पूर्वी हिस्से में पहली बार पहल

इस अवसर पर सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि बिहार और भारत के पूर्वी हिस्सों में यह पहली ऐसी पहल है और सीआइएमपी इस केंद्र के माध्यम से बिहार में प्रौद्योगिकी केंद्रित मानव संसाधन के विकास की पूरी कोशिश करेगा. भविष्य डेटा विज्ञान प्रबंधन में कौशल प्राप्त किये लोगों का है. यह अनुमान लगाया जाता है कि पारंपरिक आइटी पेशेवरों की मांग स्थिर है या गिरावट का सामना करना पड़ रहा है. वही सभी व्यवसायों और प्रशासनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित डेटा विज्ञान पेशेवरों की भविष्य की मांग में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है. वहीं सीआइएमपी के डीन डॉ. रमणा आचार्युलू ने डेटा विज्ञान कौशल में स्नातक और स्नातकोत्तर पेशेवरों के बढ़ते रोजगार अवसरों की चर्चा की. उन्होंने पीडब्ल्यूसी 2017 और मैककिंसे ग्लोबल इंस्टीट्यूट 2015 की रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि 2015 और 2018 के बीच प्रबंधन स्नातकों में विश्लेषिकी कौशल की मांग करने वाली नौकरियों की संख्या 2015 में 23 लाख से बढ़कर 2017 तक 2.7 करोड़ हो गई है, जबकि विश्व में इस क्षेत्र में उपलब्ध प्रशिक्षित पेशेवरों की संख्या 1.5 मिलियन से कम पंजीकृत हुए है. भारत में भी व्यवसाय प्रबंधन और इंजीनियरिंग में व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनेस एनालिटिक्स) पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है. और अभी तक विभिन्न प्रबंधकीय डोमेनो में 26 से 45 प्रतिशत नौकरियों के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होती है. पेशेवरों को प्रशिक्षित करने और विकसित करने की जरूरत महसूस की है.

मशीन व प्रणालियों को समझने वाले की जरूरत

राहुल सिंह ने ने कहा कि ऐसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भविष्य उन लोगों के लिए है, जो मशीनों और प्रणालियों को बराबर समझ के साथ संभाल सकते हैं. एक ओर मशीन लर्निंग और प्रौद्योगिकी के साथ मानव जीवन के एकीकरण को वैश्विक व्यवसायों द्वारा प्रेरित किया जा रहा है दूसरी ओर ऐसे व्यवसायों की मांगों को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने कि वे जन-केंद्रित हैं, एक चुनौती बन गया है. केवल ऐसे अभिसरण प्रौद्योगिकीयों में प्रशिक्षित लोग ही आने वाले समय में जीवित रह सकते हैं और सफल हो सकते हैं. इस उभरते हुए क्षेत्र में सीआइएमपी की शुरूआत अपने छात्रों और बिहार के औद्योगिक विकास के लिए एक बड़े स्तर पर प्रासंगिक और समयबद्ध है. अपने संबोधन में उन्होंने जोर दिया कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में नई कौशल सीखना आवश्यक है.

Prabhat Khabar Page No-11
Date:-18/08/2017

आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की जरूरत

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) बिजनेस एनालिटिक्स सेंटर में वर्णनात्मक विश्लेषकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ जिसका उद्घाटन बिहार सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव राहुल सिंह ने किया। सीआईएमपी से लगभग 17 प्रबंधन संकाय सदस्य और देश के दूसरे हिस्सों से अन्य संस्थानों से प्रतिनिधिमंडल भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। राहुल सिंह ने प्रबंधन विज्ञान में संकाय सदस्यों द्वारा बिजनेस एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और आईटी एकीकरण में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक क्षेत्रों में भविष्य उन लोगों के लिए है जो मशीनों और प्रणालियों को बराबर समझ के साथ संभाल सकते हैं। आज मशीन लर्निंग और प्रौद्योगिकी के साथ मानव जीवन के एकीकरण को वैश्विक व्यवसायों द्वारा प्रेरित किया जा रहा है। केवल ऐसे अभिसरण प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित लोग ही आने वाले समय में जीवित रह सकते हैं और सफल हो सकते हैं। इस उभरते हुए क्षेत्र में सीआईएमपी की शुरूआत अपने छात्रों और बिहार के औद्योगिक विकास के लिए एक बड़े स्तर पर प्रासंगिक और समयबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि आज के प्रबंधन पेशेवरों के लिए क्लाउड कंप्यूटरिंग, बिग डेटा और डेटा साइंस में नई कौशल सीखना आवश्यक है।

सीआईएमपी में वर्णनात्मक विश्लेषकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले राज्य सरकार के व्यय और वित्त विभाग के सचिव

Rashtri//ya Sahara Page No-
Dated:-18/08/2017

Biz analytics lab opens at city college

Patna: Finance department's secretary (expenditure) Rahul Kumar on Thursday inaugurated the first training programme on Business Analytics at Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP).

CIMP, in collaboration with IBM, has developed a Business Analytics Lab to help its students develop better skills in areas of managerial decision making and strategy. The curriculum will be delive-

CAMPUS NOTES

red by CIMP faculty and experts from IBM. CIMP director Dr V Mukunda Das said this initiative was aimed at creating managers and leaders who could understand the implications of massive volume of data generated by the enterprises today.

Nalanda open varsity: In the wake of heavy rain and floods in several districts of Bihar, Nalanda Open University on Thursday extended the last date to apply for its various courses till August 31. Candidates can apply through offline and online modes. TNN

Times Of India Page NO02
Dated:-18/08/2017